

प्रेषक,

दिलीप कुमार कोटिया,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

- 1- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।
- 2- समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष  
उत्तराखण्ड।
- 3- मण्डलायुक्त,  
गढ़वाल/कुमाऊँ।
- 4- समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

कार्मिक अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 30 सितम्बर, 2010

विषय:- चरित्र पंजिकाओं में वार्षिक प्रविष्टियां, सत्यनिष्ठा प्रमाण-पत्र, प्रतिकूल प्रविष्टि संसूचित करना, उसके विरुद्ध प्रत्यावेदन और प्रत्यावेदन निस्तारण की प्रक्रिया।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या-1712/कार्मिक-2/2003, दिनांक 18 दिसम्बर, 2003 द्वारा राज्याधीन सेवाओं में लोक सेवकों की वार्षिक प्रविष्टियां अंकित किये जाने एवं सत्यनिष्ठा प्रमाणित किये जाने, प्रतिकूल प्रविष्टियों को संसूचित करने और उनके विरुद्ध प्राप्त प्रत्यावेदनों का निस्तारण करने के सम्बंध में विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं।

2- उक्त शासनादेश के प्रस्तर-9 में वार्षिक प्रविष्टियों में ग्रेडिंग के सम्बंध में यह व्यवस्था की गयी है कि वार्षिक प्रविष्टि के अन्त में प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा सम्बंधित कार्मिक के सम्पूर्ण कार्य एवं आचरण के परिप्रेक्ष्य में उसकी ग्रेडिंग की जायेगी यह ग्रेडिंग निम्नवर्गीकरण के अन्तर्गत होगी:-

- |    |                |                      |
|----|----------------|----------------------|
| 1- | उत्कृष्ट       | (Outstanding)        |
| 2- | अति उत्तम      | (Very Good)          |
| 3- | उत्तम          | (Good)               |
| 4- | अच्छा/संतोषजनक | (Satisfactory)       |
| 5- | खराब/असंतोषजनक | (Bad/Unsatisfactory) |

3- शासन के संज्ञान में यह तथ्य आये है कि वार्षिक प्रविष्टियां अंकित करने वाले अधिकारियों द्वारा उक्त शासनादेश में दिये गये निर्देशों का अनुपालन भली-भाँति नहीं किया जा रहा है तथा सरसरी तौर पर सम्बंधित कार्मिकों के कार्य एवं आचरण का मूल्यांकन करते हुये श्रेणी अंकित की जा रही है। इसके परिणामस्वरूप जिन कार्मिकों को अच्छा/संतोषजनक श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है,

उनके सम्बंध में सम्पूर्ण तथ्यों का संज्ञान नहीं लिया जाता है। ऐसी दशा में उच्चतर पदों पर पदोन्नति के समय अच्छा/संतोषजनक श्रेणी में वर्गीकृत अधिकारियों को श्रेष्ठता के चयन में कोई भी अंक प्राप्त नहीं होते हैं तथा वे पदोन्नति से वंचित हो जाते हैं।

4- इस सम्बंध में शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि उपरोक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 18 दिसम्बर, 2003 में वर्गीकृत श्रेणियों को संशोधित करते हुए अब वार्षिक गोपनीय प्रविष्ट अंकित हेतु निम्न श्रेणियों को रखा जायेगा:-

- |                   |                       |
|-------------------|-----------------------|
| 1- उत्कृष्ट       | (Outstanding)         |
| 2- अति उत्तम      | (Very Good)           |
| 3- उत्तम          | (Good)                |
| 4- खराब/असंतोषजनक | (Bad/ Unsatisfactory) |

5- भविष्य में कार्मिकों की श्रेणी का वर्गीकरण करते समय अच्छा/संतोषजनक श्रेणी अंकित नहीं की जायेगी। बल्कि जिन कार्मिकों का सम्बंधित वर्ष में कार्य एवं आचरण असंतोषजनक है तथा सत्यनिष्ठा संदिग्ध है, उनका मूल्यांकन निष्पक्षता के आधार पर करते हुये उन्हें खराब/असंतोषजनक श्रेणी में वर्गीकृत किया जायेगा तथा जिन कार्मिकों के कार्य एवं आचरण के सम्बंध में कोई प्रतिकूल तथ्य न हो, तो कार्य एवं आचरण के मूल्यांकन के आधार पर उन्हें उत्तम श्रेणी अथवा उससे उच्चतर यथा अति उत्तम/उत्कृष्ट श्रेणी में वर्गीकृत किया जायेगा।

6- उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व में प्रदत्त "अच्छा/संतोषजनक" श्रेणी को श्रेष्ठता के आधार पर चयन के मामले में मूल्यांकन हेतु 'उत्तम' के समतुल्य माना जायेगा ताकि ऐसे कार्मिक को मूल्यांकन/Marking को लेकर क्षति न हो।

कृपया उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

( दिलीप कुमार कोटिया )  
प्रमुख सचिव।

संख्या- 1850 (1)/XXX(2)/2010 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 2-सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
- 3-निजी सचिव, मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव के संज्ञानार्थ।
- 4-सचिव, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार।
5. कार्यकारी निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

( अरविन्द सिंह हयांकी )  
अपर सचिव।